ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

अध्याय - 3

2 Marks

जनन स्वास्थ्य

Part – 1

जनन स्वास्थ्य समस्याएँ और कार्यनीतियाँ



Rajika Agrawal

ipca
A dose of life

जनन स्वास्थ्य

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1. जनन स्वास्थ्य समस्याएँ और कार्यनीतियाँ
2. जनसंख्या विस्फोट और जन्म नियंत्रण
3. सगर्भता का चिकित्सीय समापन
4. यौन संचारित रोग
5. बंध्यता

जनन स्वास्थ्य



WHO

विश्व स्वास्थ्य संगठन (वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन -WHO) के अनुसार जनन स्वास्थ्य का अर्थ-जनन के सभी पहलुओं सहित एक सम्पूर्ण स्वास्थ्य अर्थात् शारीरिक, भावनात्मक, व्यवहारात्मक व सामाजिक स्वास्थ्य है।

जनन स्वास्थ्य समस्याएँ एवं कार्यनीतियाँ

- राष्ट्रीय स्तर पर सम्पूर्ण जनन स्वास्थ्य को एक लक्ष्य के रूप में प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय योजना व कार्यक्रमों की शुरुआत करने वाला **भारत** **पहला देश।**

कार्यक्रम- **"परिवार नियोजन"** (परिवार कल्याण)

शुरुआत- **1951**

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- जनन संबंधित और आवधिक क्षेत्रों में बहुत उन्नत व व्यापक कार्यक्रम



जनन व बाल स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम (RCH)

ipca
A dose of life

जनसंख्या विस्फोट व जन्म नियंत्रण

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- सन् 1900 ई. में विश्व जनसंख्या- लगभग 2 अरब
- सन् 2000 ई. में विश्व जनसंख्या - 6 अरब
- भारत की जनसंख्या - देश की आजादी के समय
  → लगभग 350 मिलियम (35 करोड़)
- 2000 ई. में - 1 अरब (1000 मिलियन) से ऊपर
- मातृ मृत्युदर व शिशु मृत्युदर में कमी, मृत्युदर में तीव्र गिरावट

ipca
A dose of life

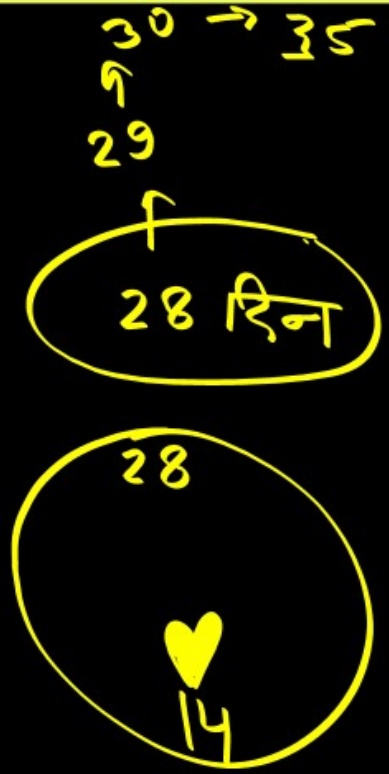
जन्म नियंत्रण

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

बाल विवाह

- विवाह के लिए स्त्री-18 वर्ष, पुरुष- 21 वर्ष
- लघु परिवारों को बढ़ावा
- प्राकृतिक/परम्परागत, रोध (बैरियर), आईयूडीज (कॉपर टी), मुँह से लेने योग्य गर्भ निरोधक, टीका रूप में, अंतर्रोपण व शल्य क्रियात्मक विधियाँ

जन्म नियंत्रण विधियाँ



- अंडाणु व शुक्राणु के संगम को रोकने के सिद्धान्त पर कार्यरत।

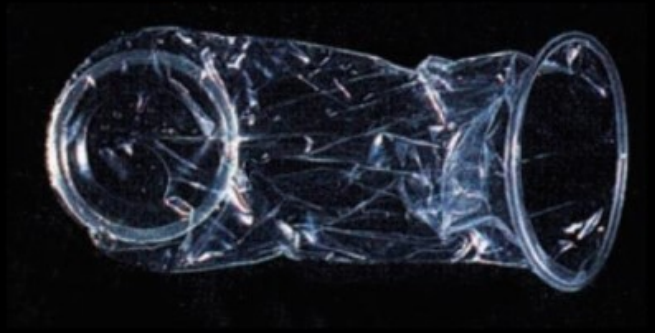
1. आवधिक संयम
   - 10 वें से 17 वें दिन के बीच, मैथुन से बचाव।
2. बाह्य स्खलन/अंतरित मैथुन (कोइटस इन्ट्रप्सन)
   - पुरुष साथी संभोग के दौरान वीर्य स्खलन से पहले योनि से शिश्न बाहर

3. स्तनपान अनार्तव (लैक्टेशनल एमेनोरिया)

- प्रसव के बाद स्त्री द्वारा शिशु को भरपूर स्तनपान कराने के दौरान अंडोत्सर्ग व आर्तव चक्र शुरु नहीं होता।







STD

4. रोध (बैरियर)

- रोधक साधनों के माध्यम से अण्डाणु व शुक्राणु को भौतिक रूप से मिलने से रोकना।
- स्त्री व पुरुष दोनों के लिए।
- कंडोम (निरोध)-लेटेक्स या पतली रबर के बने।
- गर्भधारण के साथ-साथ, यौन संचरित रोग व एड्स से बचाव

जन्म नियंत्रण विधियाँ

- डायफ्रॉम, गर्भाशय ग्रीवा, टोपी, वॉल्ट रबर के बने रोधक उपाय।
- स्त्री के जनन मार्ग में सहवास से पूर्व गर्भाशय ग्रीवा को ढ़क कर शुक्राणुओं के प्रवेश को रोककर गर्भाधान से छुटकारा।

↓

पुनः इस्तेमाल

जन्म नियंत्रण विधियाँ



5. अंतः गर्भाशयी युक्ति (इन्ट्रा यूट्राइन डिवाइस-IUD)

- योनि मार्ग से गर्भाशय में स्थापित
- औषधिरहित IUD (लिप्पेस लूप)
- ताँबा मोचक IUD (कॉपर-टी, कॉपर-T मल्टीलोड 375 कॉपर टी)
- हार्मोन मोचक IUD (प्रोजेस्टासर्ट, एल.एन.जी-20)

जन्म नियंत्रण विधियाँ

- गर्भाशय के अन्दर कॉपर (Cu) का आयन मोचित होने के कारण शुक्राणु की भक्षाणुक्रिया (फेगोसाइटोसिस) बढ़ा देती है।
- शुक्राणुओं की गतिशीलता व निषेचन क्षमता कम।
- IUD, हार्मोन को गर्भाशय में भ्रूण रोपण के लिए अनुपयुक्त बनाते व गर्भाशय ग्रीवा को शुक्राणुओ का विरोधी बनाते है।

6. गोलियाँ (पिल्स)



- प्रोजेस्टोजन अथवा प्रोजेस्टोजन और एस्ट्रोजन का संयोजन।
- 21 दिन तक प्रतिदिन
- आर्तव चक्र के प्रथम पाँच दिनों से शुरु।
- गोलियाँ समाप्त होने के सात दिनों के अंतर के बाद (जब पुनः रक्तस्राव शुरु होता है), फिर से वैसे ही।

ipca
A dose of life

जन्म नियंत्रण विधियाँ

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- अंडोत्सर्ग, रोपण संदमन के साथ-साथ गर्भाशय ग्रीवा की श्लेषमा गुणवत्ता में बदलाव तथा शुक्राणुओं का प्रवेश अवरुद्ध व गति मंद।
- प्रभावशाली व कम दुष्प्रभाव
  - सहेली गैर-स्टेरॉइड
    - हफ्ते में एक बार
    - दुष्प्रभव कम व उच्च निरोधक क्षमता।

